दिल्ली परिवहन निगम के कर्मचारियों की मांगें और दिल्ली परिवहन निगम में घाटे

324. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय :** क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली परिवहन निगम के कर्मचारियों की किन-किन मांगों को सरकार ने स्वीकार कर लिया है और उन पर निगम के कर्मचारियों की क्या प्रतिक्रिया है ; और

(ख) 31 मार्च, 1988 तक दिल्ली परिवहन निगम को कुल कितना घाटा हुआ था और उसे खत्म करने के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राजेश पायलट) : (क) दिल्ली परिवहन निगम के कर्मचारी समय-समय पर विभिन्न मांगें उठाते रहे हैं किन्तु इस समय उनकी मुख्य मांगे उन पर चौथे वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू करने के बारे में है । सरकार ने इस मांग को स्वीकार नहीं किया है किन्तु उन्हें उच्च शक्ति प्राप्त वेतन समिति की सिफारिश के अनुसार केन्द्रीय सरकार का डी.ए. पैटन अपनाने वाले सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों को दिया जाने वाला अतिरिक्त महंगाई भत्ता और अन्तरिम राहत उन्हें भी प्रदान किया गया है । दिल्ली परिवहन निगम के कर्मचारियों ने चौथे वेतन आयोग की सिफारिशें उन पर लागू किये जाने की अपनी मांग नहीं छोड़ी है ।

(ख) इस समय वर्ष 1987-88 की कुल हानि की जानकारी नहीं है क्योंकि लेखों का संकलन और लेखा परीक्षा नहीं हुई है । घाटों को रोकने और उत्पादकता बढ़ाने के लिए सतत आधार पर किये गए उपायों में प्रति-यूनिट लागत में कमी, किफायत के उपाय लागू करना, राजस्व की बर्बादी रोकना और रूटों को युक्ति-संगत बनाना शामिल है ।

इलाहाबाद स्टेशन पर बनाए जा प्लेटफार्म और ओवर ब्रिज

325. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि इलाहाबाद स्टेशन पर नये प्लेटफार्म और ओवरब्रिज निर्मित किये जा रहे हैं और यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है और उन पर कुल कितनी राशि खर्च किये जाने की संभावना है ; और

(ख) इसका निर्माण कार्य कब पूरा किये जाने की संभावना है ?

रेल मंत्रालय में उपमंत्री (श्री महावीर प्रसाद) : (क) 12 लाख रुपए की अनुमानित लागत से एक नए द्वीप प्लेटफार्म के निर्माण का प्रस्ताव है । 60 लाख रुपए की अनुमानित लागत से एक नया ऊपरी पैदल पुल निर्माणाधीन है जो सिटी साइड को सिविल लाइन साईड तथा सभी मौजूदा प्रस्तावित प्लेटफार्मों से जोड़ेगा ।

(ख) द्वीप प्लेटफार्म 1988-89 तक तथा ऊपरी पैदल पुल 1989 तक पूरा हो जाने की आशा है ।

Loans to Teachers of Banaras Hindu University

326. **SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA:** Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be plesed to state whether there is any scheme for advancing loans to teachers of Banaras Hindu University for purchase of Cars/Jeeps and also for construction of houses, and if so what are the details thereof and if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENTS OF EDUCATION AND CULTURE IN THE MI-

NISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI L. P. SHAHI): Under the Banaras Hindu University Rules for the Grant of Advance to the employees of the University, the advance for the purchase of conveyanc is sanctioned only to those permanent employees who have rendered more than 5 years of continuous service. All permanent employees who have rendered 10 years of continuous service are eligible for house building advance.

Losses in the Hotel Corporation of India

327. SHRI D. B. CHANDRE GOWDA: Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Hotel Corporation of India (HCI) has been facing losses every year;

(b) if so, whether any probe has been made to ascertain the reasons of losses; and

(c) what remedial measures Government propose to take to cut down the losses and to improve its performance in every way?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE AND THE MINISTER OF CIVIL AVIATION (SHRI MOTI LAL VORA): (a) Yes, Sir. The Hotel Corporation of India is incurring losses since 1983-84.

(b) Main reasons for the losses of HCI are:

(i) high depreciation and interest burden on the newly constructed Hotels at Delhi and Bombay;

(ii) inadequate response from Budhist pilgrim traffic to visit the Japanese style hotel at Rajgir.

(c) Following steps have been taken to improve the financial performance of HCI:

(i) intensified sales efforts,

(ii) training programmes to improve quality of service,

(iii) strict control on expenditure, and

(iv) improvement of services like Banquet and Conference facilities.

Sites Identified by Archaeological Survey of India for Conservation

328. SHRI D. B. CHANDRE GOWDA: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether the Archaeological Survey of India has identified sites and monuments throughout the country for conservation plans during the current plan period;

(b) if so, the details of the monuments and sites identified for conservation, State wise;

(c) the details of the amount allocated for each monument for conservation; and

(d) by when the work in this regard is likely to be commenced?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENTS OF EDUCATION AND CULTURE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI L. P. SHAHI): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) The details of the monuments and sites identified for conservation are appended as Annexure. [See Appendix CXLV, Annexure No. 10]

(d) The works are in different stages of implementation.

Decline in efficiency and professionlism due to appointment of Industrialists in the management of Air India and Indian Airlines

329. SHRI D. B. CHANDRE GOWDA: Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state: